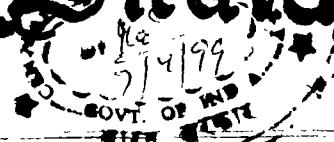




# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० १] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर ५, १९९८ (अग्रहायण १४-१९२०)

No. 1] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 5, 1998 (AGRAHAYANA 14, 1920)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिसमें कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग I—खण्ड ३ PART I—SECTION 3

[रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं]  
[Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued  
by the Ministry of Defence.]

#### रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक ५ दिसम्बर १९९८

सं. ०१/५२९/विज-३/९८ दिनांक १८ अक्टूबर १९९८—  
जवाहिक केन्द्रीय सरकार का एसो विचार है फि श्री दं। एस।  
छाचिया, सुपरवाइजर (८०६०६५२) सैन्य कार्म उम्माला के विरुद्ध  
दिभागीय जांच के संबंध में श्री नरवीर सिंह, कन्ट्रैक्टर तथा उनके  
भागीदार श्री उजित सिंह, चण्डीगढ़ की साक्षी के रूप में बुलाया  
आना आवश्यक है।

इसीलए, विभागीय जांच (साक्षीयों की उपस्थिति तथा प्रत्यक्ष  
प्रस्तुति प्रवत्तन) अधिनियम, १९७२ (१९७२ का १४वां) की धारा

४ के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार  
एतदद्वारा, ले. कर्नल वी के चार्ये (आई सी-२८३९८) हैंड फाईर  
पंजाब हीरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश (१) सब एरिया अम्बाला  
छाचिया, जो प्राधिकृत करती हैं कि कि वे जांच अधिकारी के रूप में श्री  
नरवीर सिंह, कन्ट्रैक्टर तथा उन हे भागीदार श्री अजीत सिंह,  
चण्डीगढ़ के संबंध में उहै अधिनियम की धारा ५ मा वर्णित  
शक्तियों का प्रयोग कर सकते हैं।

जसांत सह  
अवर सदिव

MINISTRY OF DEFENCE  
New Delhi, the 5th December 1998

No. 01/529/Vig.III/98 dated 18th October 1998.—Whereas  
the Central Government is of the opinion that for the purpose  
of the Departmental inquiry relating to Shri B. S. Chachiyaya,  
Supervisor (8060652) of MF Ambala Cantt, it is necessary  
to summon as witnesses S/ Shri Narvir Singh, contractor and  
Ajit Singh, partner of Shri Narvir Singh of Chandigarh.

NOW THEREFORE, in exercise of the powers conferred  
by sub-section (1) of Section 4 of the Departmental In-  
1—353 GI/98

quiries (Enforcement of Attendance of Witnesses and Production of Documents) Act, 1972 (18 of 1972). The Central Government hereby authorises Lt. Col. VK Chaubey (IC-28398) of HQ PH & HP (I) Sub Area Ambala Cantt as the Inquiring Authority to exercise the powers specified in Section 5 of the said Act in relation to Shri Narvir Singh, contractor and Shri Ajit Singh, partner of Shri Narvir Singh of Chandigarh.

JASWANT SINGH, Under Secy..

(1)

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित  
एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, १९९८  
PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD,  
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI 1998

